भौतिक उच्चावच

1.85 मी..

(1) **महाद्वीपीय मग्न तट** – इसकी अधिकतम गहराई 200m मानी जाती है। (1 फैदम में 1.85 m होती है या 6 फीट = 1 फैदम) यह तट के किनारे छिछला सागरीय भाग होता है। इसके अन्तर्गत महासागरों का 7.6% भाग आता है। पुनः अटलांटिक महासागर के 13.3% भाग पर प्रशांत के 5.7% भाग पर और हिन्द महासागर के 4.2% भाग पर महाद्वीपीय मग्न तट पाया जाता है। महाद्वीपीय मग्न तट का औसत ढाल 1-3° के मध्य पाया जाता है अर्थात 17 फीट प्रति मील औसतन पाया जाता है।

मग्नतट continental

महाद्वीपीय मग्नतट का सर्वाधिक विस्तार उत्तरी अटलांटिक महासागर में है। दक्षिण पश्चिम यूरोप में मग्न तट की चौड़ाई 700 km है। जबकि उत्तर पूर्वी उत्तरी अमेरिका में मग्न तट की चौड़ाई 500 km है। इस स्थिति के निर्माण का सबसे प्रमुख कारण यह था कि प्लीस्टोसिन हिमकाल के बाद जब हिमचादरों का पिघलना शुरू हुआ तो तटीय स्थलखंड समुद्र के नीचे चला गया। जिससे चौड़े मग्न तट का निर्माण हुआ। महाद्वीपीय मग्नतट के भौगोलिक विस्तार का दूसरा प्रमुख क्षेत्र उत्तरी हिंद महासागर है। (अरब और बंगाल की खाड़ी) बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में इसकी चौड़ाई 200 km है। हिन्द महासागरीय क्षेत्र में अधिक चौड़े मग्नतट का प्रमुख कारण नदियों द्वारा लाया गया निक्षेप है।

दोनों तटों में महाद्वीपीय मग्नतट होना

इसके विपरीत अफ्रीका के तट, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का तट, ब्राजील का पूर्वी तट का मग्न तटीय क्षेत्र अत्यंत सकरा है। ब्राजील में 5°S से 10°S के बीच इसकी चौड़ाई 50 km से भी कम है। लगभग यही स्थिति अंगोला नामीबिया के तट पर भी है। इन क्षेत्रों में मग्नतट के संकरे होने का कारण महाद्वीपीय विखंडन और विस्थापन है। इसके कारण किनारा टूटने के कारण तटीय ढाल अत्यंत तीव्र है। और गहराई में शीघ्रता से वृद्धि हो जाती है। भारतीय उपमहाद्वीप में इस स्थिति का न होना नदियों के निक्षेप के कारण है।

Scanned with OKEN Scanner